W W Rostov द्वारा आर्थिक और सामाजिक विकास को 5 अवस्थाओं में व्यक्त किया गया

इसे गैर कम्युनिस्ट घोषणा पत्र के रूप में वर्णित किया गया है

माना जाता है कि यह कार्ल मार्क्स के विचारों के विरोध पर आधारित है

कार्ल मार्क्स मानते थे की उत्पादन के साधनों में परिवर्तन के परिणाम स्वरुप मनुष्य की चेतना परिवर्तित होती है
कार्ल मार्क्सै पूंजीवाद को शोषक व्यवस्था मानते थे

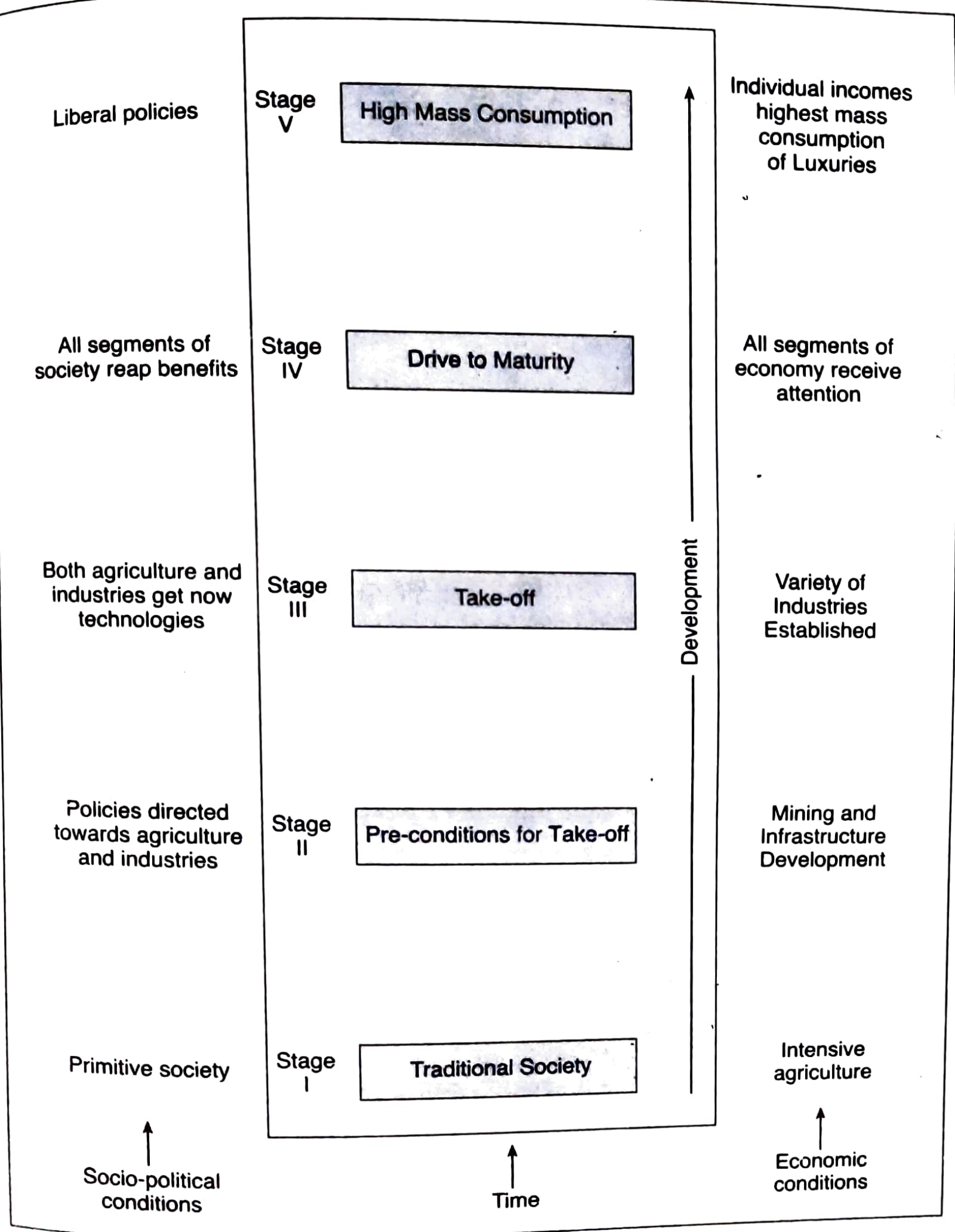
Liberal policies
Stage V
High Mass Consumption
Individual incomes highest mass consumption of Luxuries
All segments of society reap benefits
Stage IV
Drive to Maturity
All segments of economy receive attention
Both agriculture and industries get now technologies
Stage III
Take-off
Variety of Industries Established
Policies directed towards agriculture and industries
Stage II
Pre-conditions for Take-off
Mining and Infrastructure Development
Primitive society
Stage I
Traditional Society
Intensive agriculture
Development
Socio-political conditions
Time
Economic conditions

- रोस्तोव द्वारा प्रतिपादित पांच अवस्थाएं इस प्रकार हैं

1

- **पारंपरिक समाज (traditional society)**
- Based on a pre newtonian Science and Technology

Newton

- एक पारंपरिक समाज वह समाज है जो सीमित उत्पादन करता है, प्रौद्योगिकी पुरानी है और पुराने रीति रिवाजों तथा कठोर सामाजिक संरचना से बंधा है नवाचार एवं नए विचारों को न्यूनतम स्वीकृति मिलती है

1857

- नई प्रौद्योगिकी के अभाव के कारण कृषि उत्पादन बहुत कम होता है और अधिकतर उपलब्ध संसाधन कृषि में लग जाते हैं
  यद्यपि केंद्रीय सत्ता विद्यमान होती है फिर भी प्रादेशिक स्तर पर अधिकतर अधिकार भूमि के मालिक के पास होते हैं
-

प्रस्थान के लिए पूर्व दशाएं(preconditions for takeoff)

- यह संक्रमण की अवस्था है
  उत्पादन में आधुनिक विज्ञान का प्रयोग
- पश्चिमी यूरोप में 17 वी सदी के अंत में तथा 18 वीं सदी के प्रारंभिक दशकों में आधुनिक प्रौद्योगिकी का प्रयोग कृषि एवं उद्योगों में उत्पादन हेतु किया गया
- आर्थिक आधारभूत संरचना जैसे बैंक आदि का प्रादुर्भाव
- निवेश में वृद्धि होती है जैसे परिवहन, संचार आदि
- एक प्रभावी राष्ट्र के रूप में उदय पर बल

paid promotion

उत्प्रस्थान से स्थिर विकास की ओर
(take off)

प्रस्थान वह अवस्था है जिसमें विकास को अवरुद्ध करने वाले कारकों को विजित कर लिया जाता है
इसका समय 10 से 30 वर्षों का होता है

- निवेश और बचतं में वृद्धि होती है
  विशेषकर विनिर्माण क्षेत्र के उद्योगों में निवेश होता है
- सामाजिक पूंजी का निर्माण जैसे साक्षरता दर दीर्घ जीविता और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि
- कृषि और उद्योगों में तकनीकी विकास
  कृषक नए परिवर्तनों को अपनाने के लिए तैयार
- ऐसी राजनीतिक सत्ता का उदय जो अर्थव्यवस्था के आधुनिकीकरण को लक्ष्य मानकर चलती है

- **परिपक्वता की ओर प्रस्थान (drive towards maturity)**

- तकनीक में सुधार होता है और नए उद्योगों को गति मिलती है. जैसे chemical, electrical equipment

- जिन सामानों को पहले आयात किया जाता था अब उनका उत्पादन होने लगता है इस प्रकार आयात कम होता है और निर्यात में वृद्धि होती है

- राष्ट्रीय आय का 10 से 20% हो जाता है

- **व्यापक जन उपभोग की अवस्था**
  Age of high Mass consumption

- प्रति व्यक्ति आय में तेजी से वृद्धि होती है मूलभूत आवश्यकताएं जैसे भोजन, वस्त्र, आवास के साथ ही विलासिता की वस्तुएं प्रयोग करने का अवसर होता है

- साक्षरता दर लगभग सौ प्रतिशत होती है

- शहरी जनसंख्या का प्रतिशत बढ़ जाता है
  ऑफिस में कार्य करने वाले एवं कुशल कामगारों का प्रतिशत बढ़ जाता है

आलोचना

- रोस्तोव द्वारा बताए गए विकास के चरण अनिवार्य रूप से लागू नहीं होते
- यह सिद्धांत समाज में असमानता जैसी समस्याओं पर चर्चा नहीं करता
- देशों की आर्थिक नीतियां उनके विकास को प्रभावित करते हैं
- यह सिद्धांत मंदी जैसी समस्याओं पर प्रकाश नहीं डालता